Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-403

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Third

संस्कृतव्याकरण–VII

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. नीचे दिये गये प्रत्ययों का अर्थ, उदाहरण एवं कारक (वाच्य) लिखें –
   (अ) क्तवतु (इ) तव्यत् (उ) शतृ (ऋ) क्त्वा (ऌ) तुमुन्।
2. कोई भी पाँच धातुओं के रूप लिखें।
   (i) प्रच्छ् (लोट्) (ii) सेव (लङ्) (iii) लभ् (लुङ्) (iv) शी (लट्)
   (v) दा (विधिलिङ्) (vi) कृ (लङ्) (vii) हस् (लृट्)
3. संस्कृत भाषा के विषय में संस्कृत में 150–200 शब्दों में निबन्ध लिखें।
4. पिता के प्रति स्वपरीक्षादि जानकारी के विषय में पत्र के माध्यम से दर्शायें।
5. नीचे दिये गये तीन शब्दों के सम्पूर्ण विभक्तियों में रूप लिखें –
   (a) भगवत (b) इदम् (c) तद् (स्त्री) (d) पितृ (e) आत्मन्।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. शानच् प्रत्यय किस अर्थ में होता है। उदाहरणसहित स्पष्ट करते हुए 05 वाक्य लिखें।
2. (मेरा विद्यालय) "मम पाठशाला" इस विषय में 90 वाक्य लिखें।
3. भूतकाल सम्बन्धी प्रत्यय सविस्तार बताए तथा प्रत्येक के एक–एक वाक्य लिखें।
4. ब्रु (लुङ्) व पठ् (लुङ्) लिखें।
5. "इको यणचि।" तथा "एचोऽयवायावः"। – दोनों का सूत्रार्थ एवं उदाहरण लिखें।
6. "मम भारतराष्ट्र" – इस विषय में संस्कृत में 80–120 शब्दों में निबन्ध लिखें।
7. उभयपदी धातुओं सम्बन्धी नियम व 04 उभयपदी धातुओं का उदाहरण भी लिखें।

----------x----------